प्रिय सदस्यो एवं अतिथिगण

नमस्कार /जोहार!

मैं सलमा टूडू उपाध्यक्ष पोटका ग्रामीण पोल्ट्री सहकारी समिति लिमिटेड आप लोगों को वर्ष 2024-25 के 23 वी बार्षिक आम सभा में हार्दिक अभिनंदन करती हुं। हमारे समिति हर वर्ष की भांति सफलता के साथ आगे बढ़ रही है। बहुत कठिनाइयों के बावजूद हम लोग परस्पर जुड़कर सहकारिता का कार्य करते हुए रोजगार पाकर अपना, परिवार, समाज,गांव तथा राज्य के विकास में अपना सहयोग प्रदान कर रहे हैं, यह अत्यंत खुशी की बात है।

पोटका ग्रामीण पोल्ट्री सहकारी समिति लिमिटेड रोलाडीह एक पंजीकृत महिलाओं की सहकारी समिति है, जो वर्ष 2002 में झारखंड सहकारिता अधिनियम 1996 के अंतर्गत पंजीकृत हुई थी जिसकी पंजीकृत संख्या J.K.D-01/03/2004. O.T.H.E.R.-02/2002 है। यह समिति गरीब आदिवासी पिछड़ी महिलाओं को मुर्गी पालन द्वारा आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के लिए नवंबर 2002 में गठित किया गया था। शुरुआत में पोटका प्रखंड के रोलाडीह एवं सरमन्दा गांव के सिर्फ 13 सदस्यों द्वारा मुर्गी पालन शुरू किये गए थे। वर्तमान में आज हमारे समिति में 23 गांव 40 टोला मिलाकर 469. सदस्यों मुर्गी पालन कर रही है।

ग्रामीण महिलाओं की मुर्गी पालन के माध्यम से स्वावलंबी, आत्मनिर्भर बनाना, उनका आर्थिक आमदनी बढ़ाना एवं समाज में पहचान बढ़ाना ही समिति का मुख्य उद्देश्य है।इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए समिति द्वारा सदस्यो को निम्नलिखित मदद प्रदान करती है।

* कच्चा माल की आपूर्ति सही समय एवं उचित मूल्य पर करवाना।
* मुर्गी तैयार होने पर समिति द्वारा सही दामों में बिक्री कराना।
* मुर्गी पालन में निरंतर बदलती तकनीक से अवगत कराने के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण देना।
* सदस्यों को वित्तीय सहायता हेतु पूंजी एवं संसाधन की व्यवस्था करना।
* पारदर्शी लेखा-जोखा रखने में मदद करना।
* योग्य एवं प्रशिक्षित वेटरनरी द्वारा मुर्गी पालन करवाना।

*	साल भर सही समय रोजगार प्रदान करना।

हम लोगों को ज्यादा से ज्यादा कोशिश करना चाहिए कि कैसे कम से कम खर्च में अधिक उत्पादन हो। अच्छे उत्पादन हेतु हमें उचित रख -रखाव, मृत्यु दर में कमी, दाने एवं अन्य कच्चा सामग्री के बर्बादी को रोकना, पल्ट्री घरों को साफ एवं रोग मुक्त रखना।

पोटका ग्रामीण पोल्ट्री सहकारी समिति की सदस्यों द्वारा कार्य कर रहे हैं ,समिति का 11 सदस्यों की एक कार्यकारिणी समिति है। प्रतिमाह कार्यकारिणी की बैठक में हर पहलुओ पर समीक्षा किया जाता है। समिति के वर्तमान स्थिति एवं समिति को किस तरीके से आगे ले जाना है इसके ऊपर, काफी चर्चा के बाद निर्णय होता है पिछले साल में कुल 7 कार्यकारिणी समिति की बैठक हुई। समिति में अध्यक्षा, उपाध्यक्षा एवं प्रबंधक सम्मिलित रूप से कार्य का निष्पादन करते हैं। आज के दिन में समिति के पास एक प्रबंधक, ,एक लेखापाल, 1 कार्यालय सहायक , 2 सेंट्रल सुपरवाइजर एवं 3 सुपरवाइजर हैं। समिति में कार्यरत कर्मचारी एवं सुपरवाइजर का वेतन स्वयं समिति वहन करती है । समिति का निबंधन कार्यालय रोलाडीह ग्राम में है, समिति के सभी कार्य हाता में स्थित कार्यालय से संपादित किया जाता है।

झारखंड के सभी सहकारी समिति को सम्मिलित कर राज्य स्तर पर एक संगठन बनाया गया है,जिसका नाम झारखंड महिला स्वाबलम्बी सहकारी संघ लिमिटेड- रांची है। जिसका निबंधन संख्या 06/H.Q.R.-31/03/2005 है।

संघ वर्तमान समय में समिति को कच्चा सामग्री जैसे चूजा, दाना, वैक्सीन एवं दवा इत्यादि की आपूर्ति सही समय एवं उचित मूल्य में करती है। संघ हमें अन्य कामों में भी अपना सहयोग प्रदान करती है, जैसे कर्मचारी की नियुक्ति में, मुर्गी पालन के नियमों में,सदस्यों को प्रशिक्षण करने में, सुपरवाइजर प्रशिक्षण में, संवैधानिक कार्य में, समिति की हिसाब निकास एवं रख रखाव के साथ अंकेक्षण आदि में।

समय-समय पर अपने कार्यकारिणी सदस्यों के बैठक में शामिल होकर समिति के कार्यकलाप पर समिति को सुधारने का प्रयास करती रहती है। इसके साथ त्रैमासिक उत्पादन समीक्षा बैठक बुलाकर समिति के प्रबंधक, उत्पादक प्रबंधक को EI बढ़ाने के दिशा निर्देश जारी करते हैं। जिससे समिति का EI बेहतर हो सके और सदस्यो एवं समिति को अधिक से अधिक लाभ पहुंचे।

इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर में एक संस्था नेशनल स्मॉलहोल्डर पोल्ट्री डेवलपमेंट ट्रस्ट-भोपाल से हमें कुछ जानकारी और मदद मिलती है। जैसे कि समय पर सभी कर्मचारी पदाधिकारी और सदस्यों को प्रशिक्षण सेड विस्तार और कार्यशील पूंजी के लिए तकनीकी सहायता यानी ERP जैसे सॉफ्टवेयर एवं जरूरत पर अन्य और सुविधाएं प्रदान करती है।

समिति ने साल भर का हिसाब को अंकेक्षण कराने के लिए S. K. JHA & ASSOCIATES चार्टड अकाउंटेंट को नियुक्त किया है। हर 6 महीने में अंकेक्षक आकर समिति का अंकेक्षण करते हैं। इस वर्ष का भी समिति का अंकेक्षण इसी कंपनी ने किया है। वितीय वर्ष 2024-25 में समिति का कुल 2 लाख 5 हजार 8 सौ 36 रु 15 पैसे का लाभ हुआ है।

2024-25 का कुछ उपलब्धियां

1. कुल सदस्या 469

2. कुल हिस्सा पूंजी ₹ 72,09,700/-

3 कुल खरीद (2024-25) ₹ 2,8897061.13

5. कुल बिक्री (2024-25) ₹ 2,6686611.30/-

6. मुर्गी पालन के लिए 2024-25 में सदस्यों को कुल लाभ ₹ 1649096.00 /-

समिति के 2025-2026 का योजना

1. महिलाओं समिति के साथ जोड़ना एवं 100 शेड विस्तार करना जिससे उनको आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाया जा सके।

2. सभी सदस्यों की EI 400 के उपर ले जाना ताकि सदस्यों का वर्षिक आमदनी ₹ 35000 से अधिक हो सके।

3. कार्यकारिणी समिति को अधिक सशक्त कराना एवं सदस्यों को अपना मालिकाना हक के लिए जागरूक करना।

4. बाजार में अपनी भागीदारी को बढ़ाना।

5. समय-समय पर सदस्यों को मुर्गी उत्पादन क्षमता को बढ़ाना।

6. सुपरवाइजर को तकनीकी प्रशिक्षण और व्यवसायिक प्रशिक्षण देना जिसमें पोल्ट्री उत्पादन में वृद्धि हो।

7. मृत्यु दर में कमी लाने के लिए सभी गांव के सदस्य के साथ एक-एक दिन का प्रशिक्षण शिविर लगाना।

मेरी उन सदस्यों से अनुरोध है कि जो समिति मैं जुड़े होने के बाद भी पोल्ट्री उत्पादन नहीं कर रहे हैं वह मुर्गी पालन में रुचि ले और जो पोल्ट्री घर बंद है,उसमें पोल्ट्री उत्पादन चालू करें ।

मैं सलमा टूडू उपाध्यक्ष समिति एवं अपने टीम की ओर से सभी सदस्यों को आश्वासन करती हूं कि इस विकट समय पर आप नहीं घबराए अपना काम ईमानदारी एवं पूरी निष्ठा से करें हम इस विकट समस्या से जल्द बाहर आएंगे पूर्ण तरक्की और पक्की खुशाली के साथ वर्ष 2025 26 में पोल्ट्री बाजार में जबरदस्त उछाल की उम्मीद है

आइए हम सभी सदस्यों मिलकर यह संकल्प लेते हैं कि कॉपरेटिव को आगे बढ़ाने के लिए हम सभी दीदी अपना कर्तव्य, ईमानदारी निष्ठापूर्वक निभाएंगे और कोऑपरेटिव के लिए अधिक परिश्रम करेंगें।

धन्यवाद

सलमा टूडू

उपाध्यक्ष

पोटका ग्रामीण पोल्ट्री सहकारी समिति लिमिटेड

एकता शक्ति प्रगति

पोटका ग्रामीण पोल्ट्री सहकारी समिति लिमिटेड

ग्राम: रोलाडीह, पोटका, पूर्वी सिंहभूम मो० 9431131723

निबंधन संख्या-J.K.D-01-03-2002 O.T.H.E.R-02/2002

वार्षिक प्रतिवेदन

2024-25

-:कार्यकारिणी सदस्या:-

अध्यक्षा — सेबती भूमिज

उपाध्यक्षा — पवित्रा सरदार

सदस्या:-

जननी सरदार ,सरस्वती सरदार ,फुल्की सिंह ,राजवती भूमिज, लक्ष्मी सरदार, सलमा माझी मीरा पान

आनंदिनी सरदार ,सोंडे हंसदा